22-A

अनुदान मूल्य : रु. १०/–

जबान या जीभ के कॅन्सर

मूल अंग्रेजी संस्करण: ''कॅन्सर इन्फरमेशन गाईड'' कॅन्सर रीसर्च यू.के. (तथ्यपत्र–फॅक्टशीट)। ७ नवंबर, २००६

हिन्दी संस्करण प्रकाशक: **जासकॅप–जीत असोसिएशन फॉर सपोर्ट टू कॅन्सर पेशण्ट्स, मुंबई**।

संपर्क: **श्री प्रभाकर के. राव, श्रीमती नीरा प्र. राव** (कृपया पता पीछे देखिये)

हिन्दी अनुवादक : **वि. अ. वाकणकर,** मुंबई।

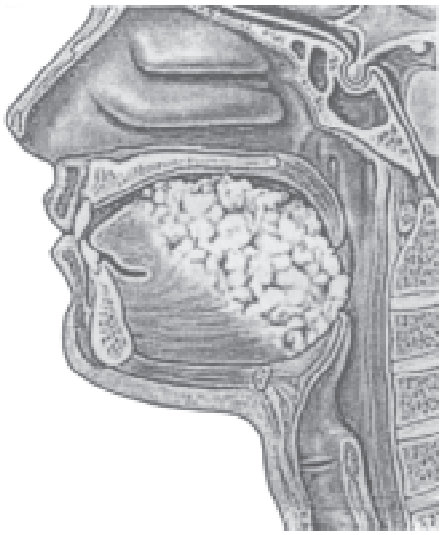

जबान या भी का कॅन्सर एक घातक (मॅलिग्नंट) कॅन्सर कोशों की गाठ होती है, जो एक छोटे से ढेले के रूप में या एक सख्त सफेद धब्बा या फिर एक फोडे रूपमें जबान पर उठती हैं। यदी इसपर चिकित्सा नहीं की गई तो ये पूरे जबान पर या मुंह के तलवे पर तथा जबड़े के मसूडों पर फैलना संभव होता है। जैसे–जैसे कॅन्सर की गांठ बड़े होने लगती है, ये उग्ररूप धारण कर गर्दन के लसिका नोडस् (लिम्फ नोडस्) तथा पश्चात् पूरे शरीर के अन्य अंगों में फैल सकता है (मेटॅस्टाइझिंग)।

जबान के दो भाग होते है, मुंह की जबान तथा जबान की जड। जबान का कॅन्सर इन दोनों में से किसी भी जगह पर शुरू हो सकता है। मुंह की जबान वो होती है जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति की छेडखानी करते समय जबान उसकी बाहर निकालकर चिड़ाता है, ये जबान का अगला दो तिहाई हिस्सा होता है। इस भाग में उभरनेवाले कॅन्सरों को मुंह के कॅन्सरों की समूह के विभाग में (ओरल कॅन्सर) सम्मिलित किया जाता है।

जबान के कॅन्सर की व्याख्या घातक जबान का या जबान का **स्क्वॅमस् सेल कार्सिनोमा** ये नामाभिदान से पहचाना जाता है। इसके खतरे के पहलू होते है तंबाकू या धूम्रपान, धुंए बगैर तंबाकू काफि प्रमाण में शराब सेवन तथा मुंह के दात होते है। जबान का कॅन्सर अक्सर ४० वर्ष के उम्र बाद शुरू होता है, महिलाओं की तुलना में पुरुष इस पीड़ा से अधिक संख्या से पीड़ित होते है।

इन कॅन्सर गांठों में से लगभग तीन चौथाई गांठों का आकार छोटा होता है और इनसे शस्त्रक्रिया (सर्जरी) या किरणोपचार (रेडियोथेरेपी) की मदत से पीड़ामुक्ति संभव होती है। फैलने का संभव भी कम होता है किन्तु यदी फैलाव होनेपर, अक्सर फैलाव गर्दन में होता है और तब चिकित्सा तुरंत होना जरूरी होता है।

इससे पीड़ामुक्ति संभव (प्रॉग्नोसिस) काफी अच्छे होते है। पूरी जबान की लंबाई में जबान के जड़की लम्बाई केवल एक तिहाई होती है। किन्तु इस जगह की कॅन्सर गांठे काफि विकसित तथा आक्रमक होती है तुलना में जबान की अग्रिम भागके कॅन्सर गांठों के।

जबान के जड़ के कॅन्सर के लक्षण हो सकते है खाना खाते समय या पेयपान करते समय निगलने में दुखावा ओटालजिया (गर्दन में दर्द) या फिर गर्दन में ढेला पैदा होता। अक्सर ढेला फैलाव के कारण होता है जिसे पीड़ा निदान करते समय एक तिहाई मामलों में पहचाना जाता है।

चिकित्सा में सम्मिलित हो सकते है मिश्रित उपचार (सर्जरी, रेडिएशन तथा किमोथेरेपी तीनों का) तथा चिकित्सा काफी आक्रमक स्वरूप की हो सकती है। जड़ की कॅन्सर गांठ की तुलना में सामने वाले जबान की पीड़ामुक्ति का अंदाजा काफी सावधानी से किया जाता है।

जबान के कॅन्सर पीड़ा के कारण

जबान का कॅन्सर एक आम प्रकार का कॅन्सर होता है तथा मुंह के कॅन्सर का काफी गंभीर स्वरूप का कॅन्सर होता है। ये पीड़ा ज्यादातर सिगरेट, पाईप या सीगार के धूम्रपान करनेवाले व्यक्तिओं में तथा तंबाकू चबानेवाले व्यक्तिओं में पाया जाता है। ऐसे व्यक्ति जो काफी मात्रा में शराब सेवन करते है तथा तंबाकू का भी सेवन करते उन्हें इस से पीड़ित होनेका खास खतरा होता है।

चालीस वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति तथा ऐसे व्यक्ति जो तंबाकू तथा शराब सेवन नहीं करते उमें ये पीड़ा विरले देखी जाती है। ये पीड़ा ६० साल के उम्र के बाद अक्सर देखी जाती है।

जबान तथा मुंह और गर्दन के कॅन्सर पीड़ा का सही कारण अभीतक ज्ञात नहीं है। किन्तु कई खतरे के पहलुओं की पहचान हो गई है। तंबाकू का धूम्रपान (सिगरेट, सीगार तथा पाईप) तथा काफी मात्रा में शराब सेवन करना ये खासकर सिर तथा गर्दन के कॅन्सर पीड़ा के प्रमुख खतरे पश्चिमी देशों में देखे गए है। तंबाकू चबाना या सुपारी के साथ तंबाकू चबाना ये आशियाई देशों में आमतौर से देखा जाता है और यही प्रमुख कारण मुंह (जबान भी), अन्ननलिका (इसोफेगस) तथा गले के (फॅरींजियल) कॅन्सर के मुख्य कारण इन देशों में होते है।

खतरे के अन्य मुख्य कारण

- खराब आहार
- शरीर की कमजोर प्रतिकार शक्ति
- कुछ रसायनों को उजागर होना
- विषाणू (वायरसेस)
- तेजाब का उल्टा प्रवाह (पेट से अन्ननलिका की ओर)
- सूरज की धूप

जबान के कॅन्सर पीड़ा के लक्षण

जबान के कॅन्सर का प्रारंभ होता है एक छोटे से ढेले से या एक गाढा सफेद धब्बे से। ये दर्द दे सकता है या नहीं भी तथा ये मुलायम भी होना संभव हो। कुछ समय पश्चात् ये ढेला एक फोड़े का रूप लेता है जिसकी किनार काफी सख्त होती है तथा मध्यभाग से काफी आसानी से रक्तास्राव हो सकता है।

जबान के कॅन्सर के लक्षण हो सकते है:–

- जबान पर एक लाल या सफेद रंग का धब्बा।
- गले में खराश जिससे पीड़ामुक्ति नहीं मिलती।
- जबान पर एक दर्द देनेवाली जगह जो ठीक नहीं होती।
- निगलते समय दर्द।
- मुंह में बधिरता जो ठीक नहीं होती।
- जबान से बिना किसी कारण रक्तास्राव (जबान चबाने के कारण या अन्य किसी घाव के कारण नहीं)।
- कान में दर्द (विरले)।
- मुंह से दुर्गंधित सांस।
- लाड़को निगलते समय परेशानी, तथा लाड़ बहना।
- सांस लेते समय समस्या।
- बोलते समय परेशानी।

जबान के कॅन्सर की चिकित्सा

जबान के कॅन्सर की चिकित्सा निर्भर होती है पीड़ा का स्तर (स्टेज) तथा श्रेणी (ग्रेड) पर जब पीड़ाका निदान होता है। रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी तथा सर्जरी इन चिकित्साओं की सिफारिश की जाती है। इन चिकित्साओं का मिश्रित रूप से उपयोग होता है। कोई भाषण विशेषज्ञ (स्पीच थेरॅपिस्ट) अक्सर पीड़ीतों को उनके बोलने में सुधार करने में सहाय्य करता है तथा निगलने की परेशानी में जो परेशानीया अक्सर सर्जरी या रेडिएशन उपचारों के पश्चात् पैदा होती है। एक आहार विशेषज्ञ भी संतुलित पौष्टिक उर्जायुक्त आहार की सिफारिश कर सकता है, जो आहार जबान के कॅन्सर के उपचार पीड़ित व्यक्ति का शरीर स्वास्थ्य रखने में जरूरी होता है।

जबान के कॅन्सर की चिकित्सा निर्भर होती है कॅन्सर गांठ के आकार पर तथा पीड़ा का फैलाव, लिम्फ नोडस् और गर्दन में।

जबान के छोटे आकार के कॅन्सर गांठ के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा होती है सर्जरी (शस्त्रक्रिया)। बड़े आकार की कॅन्सर पीड़ा जिसका फैलाव गर्दन की लिम्फ नोडस् में हो चुका है उनके लिए मिश्रित उपचार होंगे सर्जरी तथा रेडियोथेरेपी। मतलब सर्जरी द्वारा जबान से तथा गर्दन के लिम्फ नोडस् से कॅन्सर कोश हटाए जाते है। पीड़ित व्यक्ति के गर्दन को दोनों छोर की पूरी लिम्फ नोडस् हटाई जाती है।

ऐसे ऑपरेशन को **रॅडीकल (मूलभूत) नेक डिसेक्शन** कहा जाता है। इससे जबान के कॅन्सर का खतरा कम होकर पीड़ा दुबारा लौटने के आसार भी कम होते है। इसके पश्चात् बचे हुए कॅन्सर कोशों को नष्ट करने हेतू रेडियोथेरेपी का सर्ग प्रदन होता है।

यदी कॅन्सर का आकार इतना बड़ा हो चुका है की पीड़ा पूरे जबान में परेशानी दे रही है, ऐसे समय सर्जरी द्वारा पूरे जबान को शरीर से हटाया जाता है, जिस ऑपरेशन को ग्लॉसॉक्टोमी कहा जाता है। ये एक बड़ा ऑपरेशन होता है और काफी डॉक्टर इस ऑपरेशन के पहले कॅन्सर गांठ का आकार छोटा करने के उद्देश्य से रेडियोथेरेपी एवं कीमोथेरेपी का उपयोग करने का सुझाव देते है। यदी ये सुझाव से लाभ मिलता है तो सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती।

यदी ये ऑपरेशन सम्पन्न होता है तो पीड़ित व्यक्ति की बोलने की तथा निगलने की क्षमता पर हमेशा के लिए असर होगा।

जबान की कॅन्सर पीड़ा उपचार पश्चात् जीवित रहने की मात्रा

जबान की कॅन्सर पीड़ा उपचार पश्चात् जीवित रहने वालों की समूची संख्या ५० से ६५ प्रतिशत रहती है। काफी प्रगत अवस्था में पीड़ा होने पर भी मॅन्डीबल (जबड़ा) तथा लॅरिन्क्स (स्वरयंत्र) ८० प्रतिशत पीड़ाग्रस्त सक्षम रहते है।

समूचे जबान के अग्रिम भाग के कॅन्सर पीड़ितों के जीवित रहने वालों की तथा जिनकी पीड़ा दुबारा २ से ५ वर्षों में लौटती नहीं है इनकी संख्या तुलना में जबान के जड़ से कॅन्सर पीड़ितों की संख्या से अधिक होती है। जब गर्दन के नोडस् चिकित्सात्मक तथा उत्तकविज्ञानात्मक (हिस्टॉलॉजिकली) दृष्टी से नकारात्मक रहते है तथा कार्सिनोमा के प्रारंभिक स्तर पर रहते है तब पीड़ा से जीवित रहने के आसार अच्छे होते है। पीड़ा दुबारा लौटने के प्रमाण अधिक अच्छे होते है जब चिकित्सात्मक या उत्तकविज्ञानात्मक दृष्टीसे देखे जाते है। मुंह के जबान के कॅन्सर पीड़ा के सक्षम ताकि नतीजे भी अच्छे होते है तुलना में जबान के जड़ के कॅन्सर पीड़ा से।

कॅन्सर रिसर्च यू.के.

जबान (जीभ) का कॅन्सर

जबान का कॅन्सर एक प्रकार का कॅन्सर है जो मुंह तथा अरोफॅरिन्क्स (मुंह का पीछे का भाग) को प्रभावित कर सकता है। आप मुंह तथा गर्दन के कॅन्सर के बारे में विस्तृत जानकारी जासकॅप पुस्तिका से प्राप्त कर सकते है। किन्तु यहां संक्षेप में जबान के कॅन्सर की जानकारी प्रस्तुत है जिसमें समावेश है:–

- जबान का कॅन्सर क्या होता है।
- जबान के कॅन्सर के प्रकार।
- जबान के कॅन्सर के लक्षण।
- जबान के कॅन्सर पीड़ा के खतरे तथा कारण।
- जबान के कॅन्सर की चिकित्सा।
- जबान के कॅन्सर पड़ित लोगों की खोज।

जबान का कॅन्सर क्या होता है–

आपके जबान के दो भाग होते है, मुंह में स्थित जबान का अग्रिम भाग तथा जबान की जड़। कॅन्सर दोनों भागोंपर हो सकता है। मुंह की जबान वह होती है जो आप किसी व्यक्ति को चिड़ाने मुंह के बाहर निकालते है। ये जबान का दो तिहाई भाग होता है। इस भागमें शुरू होने वाले कॅन्सरों को मुंह का (ओरल) कॅन्सर कहा जाता है।

जबान की जड़ (उगम स्थान) एक तिहाई भाग पीछे का हिस्सा होता है। ये हिस्सा आपके गर्दन के निकट (फॅरिन्क्स) होता है। इस हिस्से में शुरू होनेवाले कॅन्सरों को ओरोफॅरिन्जियल कॅन्सर कहा जाता है।

जबान की कॅन्सर के प्रकार

जबान का सबसे सामान्य कॅन्सर होता है ''स्क्वॅमस्सेल कार्सिनोमा (SCCA)''। स्क्वॅमस् कोश चपटे, त्वचा के समान होते है, जो जबान के मुंह को नाक के लॅरिन्क्स् के थायरॉईड के तथा गले के आवरण बने रहते है। स्क्वॅमस् सेल कार्सिनोमा ये नाम ऐसे कॅन्सरों को दिया जाता है जो इन कोशों से (सेल) शुरू होते है।

लक्षण

जबान के कॅन्सरों के लक्षणों में समावेश होता है:–

- एक लाल या सफेद रंग का धब्बा जो लुप्त नहीं होता।
- गले की खराश जो ठीक नहीं होती।
- जबान पर एक दर्द देनेवाला बिंदु जो ठीक नहीं होता।
- निगलते समय दर्द।
- मुंह में बधिरता जो लुप्त नहीं होती।
- बिना कोई कारण जबान से रक्तास्राव (जबान दातों से चबाने के कारण नहीं या जबान पर कोई घांव से नहीं)।
- कान के पीछे के भाग में दर्द।

ध्यान अवश्य रखना होगा ये सब लक्षण किसी अन्य मामुली मेडिकल पीड़ा के कारण हो सकते है। किन्तु महत्वपूर्ण है कि ये लक्षणों की जांच अपने परिवार के डॉक्टर से करवा लें, जिससे समाधान हो सके।

कारण

अधिकतर सिर तथा गर्दन के सही कारण अभीतक ज्ञात नहीं है, किन्तु काफी खतरों के कारणों की पहचान हो चुकी है। तंबाकू सेवन (सिगारेट, सीगार तथा पाईप) तथा काफी मात्रा में शराब सेवन ये सिर तथा गर्दन के कॅन्सर के पश्चिमी देशों में प्रमुख कारण है। मुंह के कॅन्सरों के कारणों की विस्तृत जानकारी तथा मुंह के कॅन्सर के खतरे तथा कारण मुंह के कॅन्सर के विभाग में उपलब्ध है।

चिकित्सा

अन्य कई प्रकार के कॅन्सर पीड़ा के समान आपके कॅन्सर पीड़ा का निदान प्राथमिक अवस्था में ही होनेपर इस पीड़ा पर नियंत्रण तथा उससे पीड़ामुक्ति के संभव अच्छे होते है। जबान के कॅन्सर पीड़ा की चिकित्सा निर्भर होती है कॅन्सर गांठ के आकार पर तथा उसका फैलाव कही गर्दन के लिम्फ नोडस् में तो नहीं हुआ है इसपर। संभव होता है आप पर लागू होंगे:–

- सर्जरी (शस्त्रक्रिया)
- रेडियोथेरेपी (किरणोपचार)
- कीमोथेरेपी (रसायनोपचार)

आप पर इनमें से कोई एक या सभी के मिश्रण रूप से उपचार हो सकते है। काफी छोटे आकार के कॅन्सर गांठ पर सर्वोत्तम उपचार होते है सर्जरी। आकार में बड़े कॅन्सर गांठ जिसका फैलाव गर्दन के लिम्फ नोडस् में हो चुका है उनके लिए अक्सर सर्जरी तथा रेडियोथेरेपी इनका मिश्रण उपयोग किया जाएगा। मतलब एक ऑपरेशन द्वारा आपके जबान से तथा गर्दन के लिम्फ नोडस् से कॅन्सर गांठ हटाई जाएगी। संभव है आपको गर्दन के दोनों ही तरफ के सभी लिम्फ नोडस् हटाए जाएंगे। आप सुनेंगे की आपके डॉक्टर इसे रॅडीकल नेक (मूलभूत गर्दन की) डीसेक्शन ऑपरेशन कह रहे है। इससे भविष्य में कॅन्सर पीड़ा दुबारा लौटने का खतरा काफी कम होता है। इसके पश्चात् आप पर रेडियोथेरेपी का एक सर्ग देकर बचे हुए कॅन्सर कोशों को नष्ट करने में मदद मिलती है।

यदी आपके कॅन्सर का इतना विस्तार हुआ है की पीड़ा आपके समूचे जबान पर विपरीत प्रभाव कर रही है, तो आपको ग्लॉसेक्टमी ऑपरेशन द्वारा आपकी पूरी जबान हटवानी होगी। ये एक बड़ा ऑपरेशन होता है तथा कई डॉक्टर सुझाव देंगे की इस ऑपरेशन पूर्व आप रेडियोथेरेपी तथा कीमोथेरेपी उपचार देकर गांठ का आकार संकुचित करवाने की कोशिश करें। अगर इसमें कामयाबी मिलती है, तो आपको इतने बड़े ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं होगी। यदी आपपर ये ऑपरेशन

किया जाता है तो हमेशा के लिए आपके बोलने तथा निगलने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव होगा। इससे आपके दिखावे पर भी असर होगा। इससे मुकाबला करना काफी कठीन होता है तथा ऑपरेशन पश्चात् आपको काफी सहानुभूती तथा सहायता की जरूरी होगी। महत्वपूर्ण है कि इस ऑपरेशन पूर्व आप अपने डॉक्टर से विचार–विमर्श करे और उन्हें ऑपरेशन पश्चात् आपके बोलने पर, दिखावे में तथा खानपान और पेयपान पर क्या प्रभाव होगा इनके बारेमें प्रश्न पूछें।

ओरोफॅरिन्जिएल कॅन्सर के बारे में तथा मुंह की चिकित्सा के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी मुंह के कॅन्सर विभाग में प्रस्तुत है।

चिकित्सा के अतिरिक्त परिणाम

प्रत्येक चिकित्सा के अन्य परिणाम होते ही है। कुछ अस्थाई रूप के होते है तो कुछ हमेशा के लिए स्थाई रूप के। जबान पर की गई सर्जरी के कारण आपके बोलने में, खानपान, पेयपान तथा आपके दिखावे में परिवर्तन होता है।

सिर तथा गर्दनपर किए गए रेडियोथेरेपी के कारण भी काफी अतिरिक्त परिणाम संभव होंगे, जिनमें अंतर्भाव होगा सूखा मुंह, मुंह में खराश तथा स्वाद में परिवर्तन। रेडियोथेरेपी उपचार के मुंह पर होनेवाले परिणामों के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी मुंह के कॅन्सर विभाग में उपलब्ध है।

सिर तथा गर्दन के कॅन्सर चिकित्सा में दो सर्वसामान्य कीमोथेरेपी दवाई उपयोग होती है:–

- सिस्प्लॅटिन
- ५ फ्लूरोओरासिल (५Fu)

अन्य कभी–कभी उपचारित दवाईयां होती है:–

- कार्बोप्लॅटिन
- ब्लेओमायसिन
- मेथोट्रेक्सेट

इंटरनेट पर क्लिक करके इन दवाईयों के अतिरिक्त परिणामों की जानकारी प्राप्त करें। कीमोथेरेपी के सामान्य अतिरिक्त परिणामों के बारे में जानकारी कॅन्सर हेल्प यू.के. के कीमोथेरेपी विभाग में उपलब्ध है।

जासकॅप

जीत एसोसिएशन फॉर सपोर्ट टू कॅन्सर पेशन्ट्स

C/o. अभय भगत एंड कंपनी, ऑफिस नं. ४, शिल्पा,
७वां रस्ता, प्रभात कॉलनी, सांताक्रुज (पूर्व),
मुम्बई–४०० ०५५. भारत.

दूरभाष : ९१–२२–२६१६ ०००७, २६१७ ७५४३
फैक्स : ९१–२२–२६१८ ६१६२
ई–मेल : abhay@caabco.com / pkrjascap@gmail.com